वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 187 | बुधवार 2 नवम्बर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

6 नवंबर को जयपुर में विप्र गौरव अवार्ड

जयपुर. कासं

विप्र महासभा की ओर से 6 नवम्बर को जयपुर के मानसरोवर के ग्रीन हेवंस गार्डन में दीपावली मिलन समारोह और विप्र गौरव अवार्ड का आयोजन होगा। शाम 6 बजे से शुरू होने वाले कार्यक्रम में अन्नकूट प्रसादी भी रखी जाएगी। जिसमें हजारों जयपुर वासी एकसाथ प्रसादी ग्रहण करेंगे। विप्र महासभा के बैनर तले हो रहे कार्यक्रम में खेलकूद, शिक्षा, साहित्य, सामाजिक, राजनीतिक, व्यवसाय, मेडिकल आदि क्षेत्र की ब्राह्मण समाज की प्रतिभाओं को विप्र गौरव अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। आईएएस, आरएएस और प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होने वाले विप्र समाज के युवाओं और प्रतिभाशाली बच्चों को भी सम्मानित किया जाएगा। मोमेंटो और दुपट्टा, शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया जाएगा।

मंत्री बीडी कल्ला, सांसद रामचरण बोहरा, घनश्याम तिवाड़ी भी आमंत्रित

विप्र महासभा के प्रदेश महामंत्री मीडिया प्रभारी मनीष मुदगल ने दैनिक भास्कर को बातचीत में बताया कार्यक्रम के लिए मोतीडूंगरी गणेश जी महाराज को आमंत्रण दिया गया है। विप्र महासभा के बैनर तले हो रहे कार्यक्रम में महासभा के प्रदेश अध्यक्ष सुनील उदैया समेत पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। कैबिनेट मंत्री डॉ बीडी कल्ला, जयपुर शहर सांसद रामचरण बोहरा, सांसद घनश्याम तिवाड़ी, मोती डूंगरी मंदिर महंत कैलाश चन्द शर्मा, समाज कल्याण बोर्ड अध्यक्ष अर्चना शर्मा, पूर्व मंत्री अरुण चतुर्वेदी, देवस्थान बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष एसडी शर्मा समेत कई गणमान्य लोगों को आमंत्रित किया गया है।

एसएमएस हॉस्पिटल में ऑनलाइन रिपोर्ट बंद

ऑनलाइन सिस्टम आरोग्य से IHMS में बदलने से बिगड़ा मामला; रिपोर्ट लेने के लिए मरीजों को हो रही परेशानी

जयपुर. कासं

राज्य के सबसे बड़े हॉस्पिटल सवाई मानसिंह में इन दिनों मरीजों को भीड़ के साथ-साथ यहां के खराब सिस्टम से भी परेशान होना पड़ रहा है। पुराने आरोग्य सिस्टम की जगह अपडेट किए गए नए सिस्टम ''इंटीग्रेटेड हेल्थ मैनेजमेंट सिस्टम'' के शुरू होने से मरीजों को अब ऑनलाइन जांच रिपोर्ट नहीं मिल रही है। इससे मरीजों को अब अपनी जांच रिपोर्ट के लिए एसएमएस हॉस्पिटल के चक्कर काटने पड़ रहे है। वहीं इस सिस्टम में अभी कई ऐसी खामिया भी रह गई जिससे हॉस्पिटल के अंदर ही से बिल जनरेट करने, लैब में सैंपल की जांच करने में कई समस्याएं आ रही है। अभी तक पुराने सिस्टम में मरीज ओपीडी में डॉक्टर को दिखाने के बाद जांच रिपोर्ट किसी भी साइबर कैफे, ई-मित्र या घर बैठे ऑनलाइन निकालकर प्रिंट ले लेते थे और डॉक्टर को दिखाकर उपचार करवा लेते थे। लेकिन नए सिस्टम के आने के बाद मरीजों को जांच रिपोर्ट लेने के लिए एसएमएस हॉस्पिटल ही आना पड़ रहा है। यहां भी कई बार सर्वर में समस्या आने, भीड़ ज्यादा रहने के कारण मरीजों को घंटों तक रिपोर्ट के इंतजार करना पड़ता है।

माइक्रोबायोलॉजी लैब में जांच का प्रोसेस बढ़ा

माइक्रोबायोलॉजी लैब में ही काम करने वाले एक टैक्नीशियन ने बताया कि नए सिस्टम के शुरू करने से जांच का प्रोसेस थोड़ा बढ़ गया है। ब्लड की सामान्य जांच (सीबीसी, शुगर, एलएफटी-आरएफटी समेत अन्य) करने में 2 स्टेप लगते थे, उसके लिए 5-6 स्टेप में गुजरना पड़ रहा है। इससे समय ज्यादा लग रहा है। इसके साथ ही सॉफ्टवेयर नया है और कर्मचारियों को ट्रेनिंग भी ठीक नहीं मिली, जिससे जांचों में ज्यादा समय लग रहा है। लैब टैक्नीशियन ने बताया कि पुराने सिस्टम में ब्लड सैंपल जब कलेक्ट करने के बाद जांच के लिए लैब में आता था तो उसे सीधे मशीन में लगा देते थे। मशीन से रिजल्ट आने के बाद सैंपल पर लगे सीआर नंबरों से अपने आप ही सारी रिपोर्ट कम्प्यूटर में आ जाती थी और उसे वेरीफाई करके ऑनलाइन रिलीज कर दी जाती थी लेकिन सिस्टम में ब्लड सैंपल कलेक्शन के बाद पहले इसे कम्प्यूटर में चढ़ाना पड़ता है, जिसका वैरिफिकेशन होने के बाद इसे जांच के लिए मशीन में लगाया जाता है।

आगामी 2-3 माह तक रह सकती है परेशानी

एसएमएस हॉस्पिटल प्रशासन के मुताबिक IHMS सिस्टम पूरे प्रदेश के सभी सरकारी हॉस्पिटलों में अपडेट किया जा रहा है। इससे मरीज की एक हिस्ट्री तैयार करने में आसानी होगी। इसमें मरीज का रजिस्ट्रेशन करने पर उसे एक यूनिक आईडी नंबर दिया जाता है। इसी नंबर के आधार पर उसके पूरी मेडिकल हिस्ट्री तैयार होगी। इसके बाद वह मरीज प्रदेश के किसी भी बड़े सरकारी हॉस्पिटल में इलाज के लिए जाएगा, तो उसकी पहले की तमाम इलाज की रिपोर्ट ऑनलाइन ही डॉक्टर को दिख जाएगी। इस सिस्टम के पूरी तरह अपग्रेड होने में अभी 2 से 3 माह का समय लगेगा। इस दौरान मरीजों को कुछ समय के लिए परेशानी आ सकती है।

लाठर की विदाई और मिश्रा का स्वागत

डीजीपी के प्रोटोकॉल को लेकर तैयारी पूरी, लाठर को RPA और PHQ में दी जाएगी विदाई

जयपुर. कासं

राजस्थान के डीजीपी एमएल लाठर को गुरूवार को आरपीए और पुलिस मुख्यालय से विदाई दी जाएगा। डीजीपी के प्रोटोकॉल के लेकर तैयारी पूरी कर ली हैं। वहीं दोपहर बाद नए डीजीपी उमेश मिश्रा की ज्यॉइनिंग को लेकर भी तैयारी हो चुकी हैं। पुलिस मुख्यालय में पारम्परिक पुलिस पम्पराओं के अनुसार विदाई कार्यक्रम रखा गया हैं। सुबह साढे 8बजे राजस्थान पुलिस अकादमी में एक भव्य विदाई समारोह का आयोजन भी किया गया हैं। आरपीए डायरेक्टर राजीव शर्मा ने बताया कि इस मौके पर सेरेमोनियल परेड़ का आयोजन किया जाएगा। जयपुर स्थित चौथी एवं पांचवी बटालियन आरएसी, हाडीरानी महिला बटालियन, पुलिस आयुक्तालय जयपुर, यातायात पुलिस, जयपुर ग्रामीण तथा ईआरटी की टुकड़ियां सेन्ट्रल बैण्ड की मधुर स्वर लहरियों के साथ कदम से कदम मिलाकर लाठर को सलामी देगी। इस परेड़ के परेड कमाण्डर आइपीएस मनीष चौधरी होंगे। लाठर को पुलिस परम्पराओं के अनुसार घुड़सवार पुलिस और मोटर साईकिल राईडर्स द्वारा सम्मानपूर्वक स्टेडियम

तक लाया जाएगा। एडीजी लॉ एंड ऑर्डर हवासिंह घूमरिया ने बताया कि नए डीजीपी उमेश मिश्रा को उनके आवास से पुलिस मुख्यालय त क पायलट जीप, मोटर साइकिल आउटराइडर्स द्वारा लाया जाएगा।

संगीतमय सिद्ध चक्र मण्डल अनुष्ठान मे श्रद्धालुओं ने प्रथम दिन 8 अर्ध्य चढ़ाये

इलेक्ट्रॉनिक समवशरण को देखने के लिए उमड़े श्रद्धालु

निवाई. शाबाश इंडिया

सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में गणिनी आर्यिका विज्ञा श्री माताजी के सानिध्य में सिद्ध चक्र मण्डल विधान का शुभारंभ मंगलवार को ब्रह्मचारी विधानाचार्य जिनेश भैया जयपुर के विधिवत मंत्रोच्चार के साथ मण्डप उदधाटन चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलन के द्वारा किया गया । विधान का

मण्डप उदधाटन राजेश इन्द्रा जैन झिलाय ने, चित्र अनावरण धर्म चंद दिनेश कुमार राकेश कुमार अनिल कुमार जैन ने तथा दीप प्रज्वलन सुभाष जैन चंवरिया ने किया। चातुर्मास कमेटी के मीडिया प्रभारी विमल जौंला व राकेश संधी ने बताया कि विधान के शुभारंभ से पूर्व मंदिर अध्यक्ष सुशील नीरा जैन, सोधर्म इन्द्र महेन्द्र मंजू जैन सानत इन्द्र, बंटी निशा झांझरी,ल कुबेर इन्द्र, ताराचंद अनिता जैन यज्ञनायक, ज्ञानचन्द मुन्नी देवी जैन ईशान इन्द्र, महेन्द्र सन्तोष जैन श्री पाल मेनासुन्दरी, विनोद कुसुमलता जैन सहित ध्वजारोहणकर्ता रामपाल ओमप्रकाश जैन समाज के मंत्री महावीर प्रसाद मेना जैन पराणा महेन्द्र चंवरिया सुनील भाणजा एवं त्रिलोक रजवास ने आर्यिका माताजी के समक्ष श्री फल चढाकर पूजा अर्चना की। जौंला ने बताया कि विधान के पहले दिन श्रद्धालुओं ने संगीतकार अंकित एण्ड पार्टी के मधुर भजनों के साथ 8 अर्ध्य मण्डप पर समर्पित किए। इस अवसर पर पार्षद नितिन छाबड़ा नेहरू बडागांव, अनिल भाणजा, त्रिलोक रजवास, नेमीचंद जैन, हेमचंद संधी, विमल जैन, सुरेश भाणजा, विमल सोगानी मौजूद थे।

भव्य पिच्छिका परिवर्तन एवं वर्षायोग निष्ठापन समारोह सानंद संपन्न

जीवन में अतीत का जिक्र और भविष्य की फिक्र मत करोः मुनि श्री संबुद्ध सागर

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया।

अजमेर। समय जीवन की सार्थकता है, समय बर्बाद करना तिल-तिल मरने के समान है यह बात मुनि संबुद्ध सागर महाराज ने पिच्छीका परीवर्तन एवं चातुर्मास निष्ठापन समारोह के दौरान विशाल धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए पंचायत छोटा धडा नसियां मे कही । मुनि श्री ने कहा आज का आदमी समय का उपयोग या तो अतीत की स्मृतियों में खोये रहकर करता है या फिर भविष्य के सपनों को देख- देखकर करता है,ध्यान रखना ये समय का सदुपयोग नहीं दुरूपयोग है,जीवन में अतीत का जिक्र नहीं करो और भविष्य की फिक्र मत करो, क्योंकि जो है वह सिर्फ वर्तमान में है,उन्होंने कहा कि जब विचार बदल जाते हैं तो आचरण बदलने में देर नहीं लगती है। धर्मनगरी अजयमेरु की पावन धरा पर प.पू. आचार्य श्री १०८ सुनीलसागर जी महाराज के सुयोग्य शिष्य पूज्य मुनि श्री संबुद्धसागर जी महाराज व पूज्य मुनि श्री संविज्ञसागर जी महाराज के मंगल वर्षायोग 2022 के सानंद समापन पर भव्य पिच्छिका परिवर्तन एवं वर्षायोग निष्ठापन समारोह दिनांकः रविवार, 30 अक्टूबर 2022 को पंचायत छोटा धडा. नसियाँ, अजमेर मे पूज्य मुनि श्री संबुद्धसागरजी महाराज एवं पूज्य मुनि श्री संविज्ञसागरजी महाराज के मंगल सानिध्य मे सानंद हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ ।

चूलगिरी में सम्पन्न हुई फैडरेशन की मासिक पूजा

जयपुर. शाबाश इंडिया

अखिल भारतीय जैन युवा फैडरेशन की जयपुर महानगर शाखा द्वारा प्रति माह अलग अलग दिगम्बर जैन मन्दिरों में आयोजित की जानेवाली मासिक पूजा के अन्तर्गत अक्टूबर माह की पूजा जयपुर के नजदीक पारसनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरी पर सम्पन्न हुई। फैडरेशन के अध्यक्ष पं.संजय सेठी शास्त्री ने बताया कि पंडित राकेश शास्त्री शाहगढ़ के निर्देशन में पंडित अभय कुमार शास्त्री देवलाली द्वारा लिखित पंचपरमेष्ठी विधान पूजा की गई । प्रमुख गायक कलाकार रिमांशू जैन शास्त्री ने मधुर धुनों में पूजा का गायन किया। अन्त में हीरा चन्द बैद ने जयपुर के सुप्रसिद्ध जैन कवि स्वर्गीय श्री राजमल जैन बैगस्या का लिखा लोकप्रिय भजन चूलगिरी पर पारस प्यारा शोभा पावे छ , दर्शन न बालक बूडा सब उमड्या जावे छै , सुनाया तो उपस्थित श्रद्धालुओं की तालियों से समूचा मन्दिर परिसर गूंज उठा। पूजा से पहले अनिल ठोलियां के निर्देशन में हीरा चन्द बैद, हिमांशु जैन, जिताक्ष जैन, नवीन जैन आदि ने रत्नों की प्रतिमाओं के अभिषेक किये। इस अवसर पर प्रमुख आध्यात्मिक विद्वान प्रोफेसर अरूण बंड का पांच प्रकार के मिथ्यात्म विषय पर मार्मिक व्याख्यान हुआ।

गलतियों को नहीं दोहराना है, अच्छा नागरिक बनकर दिखाना है

समकितमुनिजी ने जिला कारागृह में बंदियों को दिया प्रेरणास्पद उदबोधन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। शहर के शांतिभवन में चातुर्मास कर रहे आगमज्ञाता, प्रज्ञामहर्षि पूज्य समकितमुनिजी म.सा. ने मंगलवार को जिला कारागृह में पहुंच बंदियों को प्रेरणास्पद उद्बोधन प्रदान किया। श्रीवर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ शांतिभवन के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में मुनिश्री ने बंदियों को यहां से बाहर निकलने के बाद आदर्श नागरिक के रूप में जीवन जीने की प्रेरणा देते हुए कहा कि पहले किसी आवेश या गुस्से में आकर या किसी परिस्थितिवश में हमसे जो गलत कार्य हो गया उससे भविष्य में नहीं दोहराने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि यहां रहते हुए आत्मचिंतन करना चाहिए कि पहले हमारे से गलती कैसे हुई और अब उस तरह की गलती के दोहराव से कैसे बचना है। जीवन अभी समाप्त नहीं हुआ है और यहां से बाहर निकलने के बाद भी जिंदगी में अच्छे नागरिक के रूप में कार्य करने के कई अवसर हमारे सामने मौजूद होंगे। उन्होंने कहा कि यहां हम ये सोच सकते है कि बाहर निकलने के बाद हम किस तरह का जीवन जीना है। हम चाहे तो जो गलतियां हुई उन्हें नहीं दोहरा अच्छा जीवन जी सकते है और जो गलत कार्य हुए उनका प्रायश्चित कर सकते है। वहीं बाहर निकलते ही फिर बदला लेने की भावना रखने या गलत कार्य में लग जाने पर हमारी जिंदगी सार्थक नहीं हो पाएगी। मुनिश्री ने कहा कि कारागृह में रहते समय प्रतिदिन कुछ समय अपने आराध्य भगवान की आराधना के लिए अवश्य निकाले और अच्छे नागरिक बनकर दिखाने की भावना हमेशा मन में रखे। गायनकुशल जयवंतमुनिजी म.सा. ने बंदियों के लिए प्रेरणास्पद गीत की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में प्रेरणाकुशल भवान्त मुनिजी म.सा. का भी सानिध्य रहा। शांतिभवन श्रीसंघ के मंत्री राजेन्द्र सुराना ने चातुर्मास में हो रही गतिविधियों के बारे में बताया।

आज पिपरई में होगा विमान महोत्सव

विधान के समापन पर किए अर्घ समर्पित

महा पुरुष कोई भी काम करने में सक्षम होते हैं: आर्यिका श्री सोम्यमति माताजी

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

किसी को समुद्र नापने को कहा जा रहा है तो वह अपनी असमर्थता ही व्यक्त करेगा लेकिन महा पुरुष कोई भी काम करने में पीछे नहीं रहेंते । महापुरुष तो दूसरे के लिए जीते हैं सामान्य व्यक्ति तो अपने लिए ही जीता है समुद्र की गहराई नापने के लिए धागे में मिश्री वाध कर समुद्र में डालकर नापने पर कुछ भी हाथ नहीं लगता । इसी प्रकार हम राग द्वेष करके कुछ भी प्राप्त नहीं कर सकते। व्यापार धन्धें से फुर्सत हो धर्म ध्यान का अवसर बने उक्त आश्य के उद्गार आर्यिका श्री सोम्यमति माताजी ने श्री सिद्धचक्र महा मंडल की सभा धर्म को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

आर्यिका संघ के सान्निध्य में निकलेगे विमान जी

मध्यप्रदेश महासभा के संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की परम शिष्या आर्यिका श्री सोम्यमति माताजी ससंघ के सान्निध्य में आज जिला मुख्यालय से तीस किलोमीटर दूर पिपरई आर्यिका संघ के सान्निध्य में श्री सिद्धचक्र महा मंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ के समापन पर विश्व शांति के लिए महा मंत्रो की पूर्ण आहुति के साथ अर्घो का समर्पण किया गया वुधवार को भगवान जिनेन्द्र देव के भव्य विमान महोत्सव के साथ श्री जी की शोभायात्रा नगर के मुख्य मार्गो से निकाली जाएगी इसके पहले आज श्री सिद्धचक्र महा मंडल विधान में आर्यिका संघ के सान्निध्य 1024 अर्घ का समर्पण भक्तों ने भक्ति भाव से किया। इस दौरान जगत कल्याण की कामना के लिए महा शान्ति धारा विधानाचार्य संजीव भैया के द्वारा विधान पुण्यर्जक नरेंद्र कुमार धनकुमार शनीचरा परिवार को मिला।

आज होगा अखिल भारतीय कवि सम्मेलन

समाज के अध्यक्ष अनिल मिठया मंत्री राहुल जैन ने बताया कि श्री सिद्धचक्र महा मंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ के समापन पर बुधवार को रात्रि में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन किया जा रहा है । जिसके सूत्रधार सौरव सुमन मेरठ व सौरव भयंकर चन्देरी होगे के साथ ही गौरव चौहान इटावा, मोनिका देहलवी दिल्ली, दीपक पारीख भीलवाड़ा, विनोद पाल मुम्बई सहित अन्य नगरों से प्रमुख कवि पिपरई आ रहे हैं ।

साधु की चर्या कठिन होती हैं: आर्यिका श्री आगत मति माताजी

धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए आर्यिका श्री आगत मति माताजी ने कहा कि साधु की चर्या कठिन होती है साधु रोटी मांगते नहीं है साधु के पीछे रोटी रहतीं हैं। मांगने वाला रोटी के पीछे है। साधु कभी रोटी के पीछे नहीं रहता साधु के पीछे रोटी चलती है। उन्होंने कहा कि एक दूसरे को कोई सुख दुःख नहीं दे सकता फिर भी हम कर्ता पने को नहीं छोड़ पा रहे और यही मानते हैं मैं ही दुसरे को कष्ट पहुंचा रहा हूं । ऐसी न बनाकर हास्य प्रति हास करते हुए अशुभ कर्मों को बांध लेते हैं।

ज्ञानमती माताजी का हस्तिनापुर से अयोध्या की ओर हुआ मंगलविहार

हस्तिनापुर. शाबाश इंडिया

जम्बूद्वीप रचना की पावन प्रेरिका भारतगौरव गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी का ससंघ शाश्वत तीर्थ अयोध्या की ओर मंगल विहार हुआ। जैन साधु चार महिने चातुर्मास के काल में एक स्थान पर ही प्रवास करते हैं। उसके पश्चात उनका निरंतर विहार होता रहता है। गणिनी प्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी जैन समाज की धरोहर हैं। जिन्होंने हस्तिनापुर, मांगीतुंगी, अयोध्या, कुण्डलपुर, सम्मेदशिखर, काकंदी, प्रयाग आदि अनेक तीर्थों के विकास की प्रेरणा समाज को प्रदान की। विश्व के क्षितिज पर आज हस्तिनापुर की पहचान जम्बूद्वीप से की जाती है। ऐसे पावन तीर्थ से आज प्रातःकाल 11 बजे जम्बूद्वीप स्थल के सभी मंदिरों के दर्शन करते हुए, कैलाश पर्वत रचना, प्राचीन मंदिर का दर्शन करते हुए पूज्य ज्ञानमती माताजी का शाश्वत तीर्थ अयोध्या

की ओर मंगल विहार हो गया। सर्वप्रथम जम्बूद्वीप से विहार करके सिविल लाईन हस्तिनापुर स्थित श्री मनोज कुमार जैन के निवास स्थान पर कुछ देर विश्राम करने के पश्चात मवाना के लिए मंगल विहार किया। पूज्य माताजी ने अपने प्रस्थान से पूर्व सभी को आशीर्वाद प्रदान करते हुए कहा कि हस्तिनापुर तीर्थ तीर्थंकर शांति- कुन्थ- अरहनाथ की जन्मभूमि है। जिसका विकास सतत चलता रहेगा एवं सभी को जुड़करके तीर्थ के विकास में अपने शक्ति को सदैव लगाये रखना है एवं सभी कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों के लिए हमारा मंगल आशीर्वाद है। इस तीर्थ को दिन दूनी रात चौगुनी प्रगति प्राप्त हो। आने वाले समस्त अतिथियों का स्वागत संस्थान के अध्यक्ष पीठाधीश स्वस्तिश्री रवीन्द्रकीर्ति स्वामीजी के भाषण के द्वारा किया गया। इसी क्रम में प्रज्ञाश्रमणी आर्यिका श्री चंदनामती माताजी ने सभी भक्तों को अयोध्या तीर्थ विकास की प्रेरणा प्रदान की। पूज्य माताजी हस्तिनापुर-मवाना-किला-किठोर-गजरोला मुरादाबाद- बरेली- शाहजहांपुर-सीतापुर होते हुए लगभग 45 दिनों में अयोध्या तीर्थ पर पहुंचेगीं। चूंकि जैन साधु पदयात्रा करते हैं इसलिए 10 से 15 कि.मी. की यात्रा प्रतिदिन करते हैं।

वेद ज्ञान

स्वार्थ का शालीन नाम मोह

स्वार्थ का शालीन नाम मोह है। हम सभी परस्पर स्वार्थ से जुड़ते हैं। इसी कारण उनके प्रति मोह रहता है। भोगों के परिप्रेक्ष्य में भी मोह रहता है, किंतु तब उसे आसक्ति कहा जाता है। अपेक्षा रखना स्वार्थ है। स्वार्थ ममत्व को जन्म देता है। ममत्व ही मोह है। लोक में व्यक्ति का (आत्मा का) तन, परिजन, मित्र, संबंधी और धन आदि से सीधा जुड़ाव होता है। सभी से कुछ न कुछ स्वार्थ सिद्ध होता है। इसलिए इनके प्रति स्वाभाविक मोह होता है। लौकिक-संबंध अथवा वस्तु हमारे लिए जितना उपयोगी होते हैं, उतने ही वे काम्य हैं। उनके प्रति उतनी ही आसक्ति दृढ़ होती है। हमें जिन लोगों के प्रति जितना मोह या राग- भाव होता है, उनके खोने (वियोग) का भय भी उतना ही प्रबल होता है। अब यदि इस मोह (राग-भाव) से छुटकारा पा लिया जाए तो सांसारिक दुखों से आसानी से छुटकारा पाया जा सकता है। मोह से छूटने का एकमात्र उपाय है वैराग्य। वैराग्य वह शक्ति है जो मनुष्य को अभय प्रदान करती है। वैराग्य आत्मसाक्षात्कार कराने का प्रवेश द्वार है। वैराग्य-प्राप्ति की प्रक्रिया मन के रागात्मक होने वाले कारणों के सर्वथा विपरीत है। लौकिक संबंधों से अपेक्षाओं का पूर्णतया त्याग और उनके प्रति ममत्व त्याग कर निर्विकार होना वैराग्य-प्राप्ति का उपाय है, किंतु यह इतना सरल नहीं है, क्योंकि इसके लिए समत्व-बुद्धि का अनुभव करने के लिए दृढ़तापूर्वक अभ्यास करना पड़ेगा। समत्व-बुद्धि निर्मल-मन का विषय है। लौकिक अपेक्षा, कामना, आसक्ति और मोह आदि विकार संकीर्ण और अशुद्ध-मन के कार्य-व्यापार हैं। इसके विपरीत अलौकिक और सर्वव्यापक सत्ता को एकमात्र स्वीकार करना, उसी के साक्षात्कार की अपेक्षा रखना स्थिर-प्रज्ञ या समत्व-बुद्धि प्राप्त करने के प्रारंभिक चरण हैं। अलौकिक (परमात्म) सत्ता को सर्वोपरि मानने से लौकिक-प्रपंच स्वतः शांत होने लगते हैं। उस परम सत्ता को सर्वव्यापी जान लेने के बाद जीव-जीव में ईश्वर का वास होने से सभी में प्रेम होता है और सबके प्रति समत्व-बुद्धि विकसित होती है। यह मन की रागात्मक-मनोभूमि से ऊपर उठकर विरागी-स्थिति में प्रवेश करने की प्रक्रिया है। तब न किसी से शत्रुता होती है और न मित्रता। यदि कुछ होता है तो रागरहित मन में एक अलौकिक और स्थाई आनंद वास करता है।

संपादकीय

हवाई यात्रा के प्रति लोगों के बढ़ते रुझान

हवाई सेवाओं का उपयोग लोग इसलिए करते हैं कि आने-जाने में समय बचता है। जिन जगहों पर रेल से पहुंचने में दो दिन लगते हैं, वहां एक ही दिन में पहुंच कर वापस भी आया जा सकता है। इसलिए कामकाजी व्यस्तता बढ़ने की वजह से अब बहुत सारे लोगों के लिए हवाई यात्रा अधिक सुविधाजनक महसूस होती है। हवाई यात्रा के प्रति लोगों के बढ़ते रुझान को देखते हुए तमाम विमानन कंपनियों ने अपने बेड़े और सेवाओं में तेजी से विस्तार किया है। छोटे-छोटे शहरों तक हवाई सेवाएं शुरू हो चुकी हैं। हवाई यात्रा में यात्री सुरक्षा का इंतजाम उनकी साख से जुड़ा होता है। मगर इधर कुछ महीनों से इसी साख में बट्टा लगता नजर आ रहा है। एक महीने में कई हवाई जहाजों को सुरक्षा कारणों से आपातकालीन स्थिति में उतारना पड़ा है। ताजा मामला इंडिगो के दिल्ली से

बंगलुरु जा रहे विमान में चिंगारी फूटने के चलते उड़ान भरने से रोकने का है। गनीमत है कि इसमें कोई बड़ा हादसा होने से टल गया और सभी मुसाफिरों को सुरक्षित उतार लिया गया। बताया जा रहा है कि हवाई पट्टी पर दौड़ते समय विमान में तकनीकी खराबी आई और उसके बाएं हिस्से में चिंगारी फूट पड़ी। ऐसी ही घटना पिछले दिनों पटना हवाईअड्डे से उड़ान भर चुके स्पाइस जेट के विमान में हुई थी, जब उसके डैनों में चिंगारी फूटी और लपट बन गई। जब विमान हवा में उड़ रहा था, तब उसके डैने से उठती आग की लपट को हवाईअड्डे के आसपास के रिहाइशी इलाकों के लोगों ने देखा और उसके बाद उस विमान को आपातकालीन स्थिति में उतारा गया। इस तरह उसमें भी कोई बड़ा हादसा होने से बच गया। पिछले कुछ समय में ऐसी कई घटनाएं हुई हैं, जिनमें सबसे अधिक स्पाइस जेट के विमान शामिल थे। कुछ मामलों में डीजीसीए ने स्पाइस जेट के खिलाफ कड़ा रुख भी अपनाया है। अब इंडिगो में भी वैसी ही घटना हो गई। इसे लेकर विमान सेवाओं में यात्री सुरक्षा पर सवाल गहरे होने लगे हैं। निस्संदेह डीजीसीए इस मामले की जांच करके संबंधित विमानन कंपनी पर अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का प्रयास करेगा, मगर इससे मुसाफिरों का जो विश्वास डिगा है, उसकी भरपाई में लंबा वक्त लगेगा। यों तो जब भी किसी विमान को उड़ान भरने की इजाजत दी जाती है, तो उसके तमाम तकनीकी पक्षों की गंभीरता से जांच की जाती है। फिर भी किन्हीं विषम परिस्थितियों में हादसे की आशंका बनी रहती है। चूंकि विमान जमीन से काफी ऊंचाई पर उड़ान भर रहे होते हैं, इसलिए ऊपर किसी भी तरह की तकनीकी खराबी बड़े हादसे का सबब बन सकती है। इसके मद्देनजर चालक दल की कुशलता से लेकर विमान की स्थिति आदि को बहुत बारीकी से जांचा-परखा जाता है। विमानों के बाहरी हिस्से में आग लगने की घटनाएं कई वजहों से हो सकती हैं। किसी पक्षी के उसके प्रोपेलर में फंस जाने, उसके डैने से टकरा जाने या किसी अन्य वस्तु के उससे टकराने से भी आग लगने की घटना हो सकती है। हवाईअड्डों पर इन बातों का पूरा ध्यान रखा जाता है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

फर्जी का संजाल...

वक्त के साथ आधुनिक होती तकनीकी के क्षेत्र में समाचार, संवाद और संचार के बढ़ते विकल्पों ने देश-दुनिया की खबरों को हासिल करने और उसे प्रसारित करने के लिए कुछ सीमित मंचों पर आम लोगों की निर्भरता को कम किया है। मगर कोई भी खबर पहुंचाने के लिए जिस परिपक्वता की जरूरत होती है, अभी उसकी काफी कमी देखी जाती है। ऐसे अनेक मौके सामने आते रहते हैं जब किसी व्यक्ति के पास खबर के रूप में कोई बात पहुंचती है तो वह उसकी पुष्टि करने के बजाय उसे उसी रूप में आगे दूसरे लोगों को संप्रेषित कर देता है। पहले जब संचार के साधनों का अभाव था, तब एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक इस तरह की कोई बात पहुंचने में वक्त लगता था और कई बार इसी क्रम में उस बात की तीव्रता कमजोर पड़ जाती थी। लेकिन तकनीकी विकास के इस दौर में बड़ी आबादी की मोबाइल या स्मार्टफोन तक पहुंच बनी है और उनमें से ज्यादातर किसी न किसी रूप में सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं, जो आज संचार और संप्रेषण का सबसे तेज और प्रभावी जरिया बन चुका है। अंदाजा लगाया जा सकता है कि अगर कोई व्यक्ति बिना पुष्टि किए किसी घटना की जानकारी किसी अन्य व्यक्ति को सोशल मीडिया के माध्यम से भेजता है तो उसके फैलने और उसके प्रभाव की रफ्तार क्या होगी। इसीलिए प्रधानमंत्री ने संवाद के एक सशक्त माध्यम के तौर पर सोशल मीडिया पर किसी खबर या घटना के प्रसार को लेकर देश के नागरिकों को जरूरी संदेश दिया है। उन्होंने कहा है कि फर्जी खबरें बेहद खतरनाक हैं और उसके कई गंभीर परिणाम हो सकते हैं; कोई एक फर्जी खबर भी बढ़ कर राष्ट्रीय चिंता का विषय बनने की क्षमता रखती है, इसलिए उन पर लगाम कसने के लिए देश को उन्नत तकनीक पर जोर देना होगा। आए दिन यह देखा जाता है कि आम लोग कुछ ऐसे ब्योरे भी बिना किसी हिचक के दूसरों को भेज देते हैं, जो सच्चाई से काफी दूर होते हैं, मगर उनका किसी व्यक्ति और समुदाय पर व्यापक असर भी पड़ सकता है। झूठी और नफरत फैलाने वाली खबरों की वजह से कई बार हिंसा और दंगे तक फैलने की स्थिति आ जाती है। विडंबना यह है कि फर्जी खबरों को बिना सोचे-समझे प्रसारित कर देना आज एक प्रवृत्ति बनती जा रही है और ज्यादातर लोग किसी भी माध्यम से आई सूचना की सच्चाई की जांच करना जरूरी नहीं समझते। जबकि हाथ में मौजूद जिस स्मार्टफोन और इंटरनेट के जरिए वे फर्जी खबरों को प्रसारित करने के हिस्सेदार बन रहे होते हैं, उसी का इस्तेमाल कर बहुत थोड़े वक्त में किसी खबर की हकीकत की पड़ताल की जा सकती है। स्मार्टफोन और कंप्यूटर जैसे संचार के साधनों तक जैसे-जैसे लोगों की पहुंच बढ़ती जा रही है, उसके मद्देनजर पिछले कुछ समय से फर्जी खबरों के जरिए अपनी मंशा साधने वालों ने संगठित तौर पर सोशल मीडिया का इस्तेमाल किया है। जबकि अगर इस माध्यम का सही इस्तेमाल किया जाए तो उपयोगी विचार अपने सच्चे स्वरूप में आम लोगों तक पहुंचाए जा सकते हैं और इन मंचों को उपयोगी बनाया जा सकता है। ऐसा कुछ हद तक हुआ भी है। लेकिन सोशल मीडिया के अलग-अलग मंचों का बेजा इस्तेमाल जिस कदर बढ़ा है, वह वास्तव में चिंता की बात है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि सच का आधार जहां किसी माध्यम को बेहद उपयोगी बना सकता है, वहीं झूठ उसे नुकसान का बड़ा हथियार भी बना सकता है।

सहयोग के बिना जीवन नहीं: आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण माताजी

चातुर्मास का हुआ निष्ठापन, पुण्यार्जक परिवारों को किया चातुर्मास मंगल कलश वितरण

जयपुर.शाबाश इंडिया

बिना सहयोग के जीवन नहीं है। जीव के गर्भ में आते ही परिवार में खुशियां छा जाती है।जो बालक मां की डाट और पिता के अनुशासन में रहता है उसका जीवन निखर जाता है। जो इसके विपरीत चलता है, उसका जीवन बिगड़ जाता है। बच्चे पर सबसे पहला उपकार माता पिता का होता है। जन्म तो अनन्त बार लिया है लेकिन ऐसा जन्म जिस पर विजय पाई जा सके वो जन्म अनूठा होता है। ये उदगार गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी ने मंगलवार को श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में उनके 53 वें अवतरण दिवस के मौके पर आयोजित धर्म सभा में व्यक्त किए। इससे पूर्व मूलनायक भगवान पद्मप्रभ के अभिषेक एवं शांतिधारा की गई। तत्पश्चात चातुर्मास मंगल कलश वितरण समारोह में कलश वितरण से पूर्व माताजी ससंघ ने अपनी पुरानी पिच्छिकाएं संयम के मार्ग पर चलने वाले श्रावकों को दी। चातुर्मास कमेटी के उपाध्यक्ष विनोद जैन 'कोटखावदा' एवं मंत्री एडवोकेट जे एम जैन ने बताया कि माताजी को जिनवाणी भेंट का

पुण्यार्जन विनोद जैन बूंदी, माताजी के पाद पक्षालन भूपेंद्र -रेखा हूमड़ मुम्बई ,कैलाश चन्द, माणक, रमेश ठोलिया जयपुर विकास रारा राउरकेला सहित चातुर्मास मंगल कलश पुण्यार्जक 53 परिवारों ने किया। श्री जैन के मुताबिक अर्हतमति माताजी की पुरानी पिच्छिका सुमित्रा जैन मोहनबाडी को, गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी की पुरानी पिच्छिका ऊषा किरण जैन पदमपुरा को संयम के मार्ग पर चलने के फलस्वरूप दी गई। चातुर्मास कमेटी के मुख्य समन्वयक रमेश ठोलिया एवं उपाध्यक्ष विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि बताया कि समारोह में माताजी के अवतरण दिवस पर उनके गृहस्थ जीवन की माता क्षुल्लिका अर्हतमति, गृहस्थ जीवन के पिता क्षुल्लक परिणाम सागर सहित क्षुल्लिका सर्वेन्द्रमति माताजी, संस्कृति भूषण माताजी, ब्रह.प्रियंका दीदी,ब्रह.शालू दीदी, सुधीर जैन, हेमन्त सोगानी , अशोक जैन नेता, रमेश ठोलिया,विनोद जैन कोटखावदा, सुनील बख्शी, चेतन जैन निमोडिया, विनोद शास्त्री,पुष्पा सोगानी , मनोज सोनी सहित अन्य गुरु मां के भक्तों ने विनयांजलि प्रस्तुत की। क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट सुधीर जैन एवं मंत्री एडवोकेट हेमन्त सोगानी ने बताया कि तत्पश्चात जयकारों के बीच चातुर्मास मंगल कलशों का पुण्यार्जक परिवारों को वितरण किया गया। मंच संचालन ब्रह.प्रियंका दीदी एवं चेतन जैन निमोडिया ने किया। आभार एडवोकेट सुधीर जैन ने व्यक्त किया। इस मौके

पर ज्ञान चंद झांझरी, सुरेन्द्र पाण्डया, सुबोध चांदवाड, आलोक मित्तल,विनय सोगानी, सुरेश सोनी, शिखर चन्द कासलीवाल,अशोक काला, कमल वैद,अक्षय मोदी, पदम बीलाला सहित बड़ी संख्या में गणमान्य श्रेष्ठी एवं श्रावकगण उपस्थित थे। संयुक्त मंत्री दीपक बिलाला एवं वित्त मंत्री अजय बड़जात्या ने बताया कि माताजी ससंघ का गुरुवार,3 नवम्बर को पदमपुरा से प्रातः 7.00 बजे गोनेर के लिए मंगल विहार होगा। माताजी ससंघ का गोनेर से जगतपुरा होते हुए शनिवार,5 नवम्बर को प्रातः 8.30 बजे भट्टारकजी की नसियां में भव्य मंगल प्रवेश होगा। जहां आचार्य सुनील सागर महाराज, आचार्य शशांक सागर महाराज ससंघ से भव्य मिलन होगा। माताजी भट्टारक जी की नसियां से जवाहर नगर,चूलगिरी,दौसा, सिकन्दरा,श्री महावीरजी, करौली होते हुए मुरैना के ज्ञान तीर्थ की ओर मंगल विहार होगा।

मुरेना में सिद्धचक्र विधान का घटयात्रा के साथ हुआ शुभारंभ

जिनेश जैन ने किया दीप प्रज्ज्वलन

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरेना। बड़े जैन मंदिर मुरेना में आज श्री सिद्धचक्र महामण्डल विधान शुभारंभ घटयात्रा से हुआ। क्षुल्लिका अक्षतमति माताजी, बाल ब्रह्मचारिणी बहिन अनीता दीदी, मंजुला दीदी, ललिता दीदी, शकुंतला वाई, रामकली वाई एवं विधानचार्य पंडित राजेन्द्र शास्त्री मंगरौनी वाले के सान्निध्य में श्री सिद्धचक्र महामण्डल विधान के शुभारंभ पर प्रातः देवआज्ञा, आचार्य निमंत्रण के बाद भव्य घटयात्रा जुलूस निकाला गया। जुलूस में सौभाग्यवती महिलाएं सिर पर मंगलकलश रखकर चल रही थी। घटयात्रा में पुरुष वर्ग भगवान महावीर के सिद्धांतों का जय जयकार करते हुए चल रहे थे ।साथ ही सभी महिलाएं, बच्चियां भक्तिभाव के साथ नृत्य करती हुई चल रहीं थी ।घटयात्रा जुलूस मन्दिर की परिक्रमा लगाकर, श्री चन्द्रप्रभु मन्दिर,लोहिया बाजार होते हुए बड़े जैन मंदिर पहुचा। प्रारंभ में चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्ज्वलन अम्बाह जैन समाज के अध्यक्ष जिनेश जैन रामेश्वरदयाल जैन एवं ध्वजारोहण गोपीचंद कपुरीदेवी, कमलबती जैन ने किया।समाज के गणमान्य व्यक्तियों द्वारा मंडप का उदघाटन किया गया। श्री सिद्धचक्र महामण्डल विधान का शुभारंभ अनीता दीदी के मंगलाचरण से हुआ। ललिता दीदी ने भी पूजनादि में तल्लीनता से सहयोग प्रदान किया। क्षुल्लिका अक्षतमति माताजी ने अपने उद्बोधन में सभी को आशीर्वाद प्रदान किया। आरती के पश्चात रात्रि को नीलेश लता जैन ने संगीत के स्वरों द्वारा सभी को आनन्दित किया। अनिता दीदी के प्रवचनों के पश्चात नाट्यकार बाहुवली जैन द्वारा सेठ धन्नीजय जैन की भक्ति नामक नाट्य की प्रस्तुति दी।

गरीब अपाहिज परिवार की मदद को उठे रामगंजमडी युवादल के हाथ

दुर्घटना में जिंदगी भर के लिये अपाहिज हो चुकी 11वर्ष की लड़की को मदद करने झालावाड अस्पताल पहुंचे रामगंजमडी युवा दल सचिव राजकुमार पारख (लिटील भाई)

रामगंजमडी. शाबाश इंडिया। एक ऐसा वाकया जो हर किसी को भावुक कर सकता है हम बात कर रहे हैं दुर्घटना में जिंदगी भर के लिये अपाहिज हो चुकी 11 वर्ष की लड़की की जिसकी मदद को झालावाड अस्पताल पहुंचकर रामगंजमडी युवादल सचिव लिटिल भाई ने की। यह वाकया अगर कोई सुनले तो उसका दिल भी पसीज सकता है। खैराबाद के समीप हीरियाखेड़ी गाँव का बेरागी परिवार रविवार को हिंगलाज माता जी के दर्शन हेतु ट्रेक्टर ट्रोली से गए लेकिन दर्शन करके वापस लौटते समय एक दुखद हादसा हो गया भानपुरा के नावली गाँव के समीप एक पिकअप से भिंडत हो गई।जिसमे 14 वर्षीय किशोर लड़के की मृत्यु घटनास्थल पर हो गई।परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा और इस दुर्घटना में 11 वर्षीय बालिका दयावंती बेरागी का एक पाव कट गया। वहीं दूसरे पैर में भी कई फेक्चर आए लेकिन सबकी मदद को खड़े रहने वाले राजकुमार पारख को इसकी जानकारी मिली तुरंत झालावाड अस्पताल पहुंचे।उन्होनें बालिका के पिता घनश्याम बैरागी से भी बात की। पिता घनश्याम बैरागी कुदायला में भूपेंद्र सांवला के यहाँ चिराई मशीन चलाने का कार्य करता है। पारख ने झालावाड में अस्पताल में रूककर बालिका के दूसरे पांव का आपरेशन करवाया और पिता को 21 हजार रुपये की सहयोग राशि भी प्रदान की।

सुभाष जैन राजेन्द्र -रेखा सौगाणी व विनीत पाटनी का जयपुर आगमन पर भव्य स्वागत

जयपुर. शाबाश इंडिया

सामूहिक जिनेन्द्र आराधना संस्था फैडरेशन जयपुर की ओर से नेपाल शाखा के अध्यक्ष सुभाष जैन सेठी , दुबई शाखा के महामंत्री राजेन्द्र रेखा सौगाणी व कोषाध्यक्ष विनीत पाटनी का जयपुर आगमन पर भव्य मस्वागत किया। एसजेए फैडरेशन के महामंत्री धीरज पाटनी ने बताया कि इस अवसर पर दोनों देशों में एसजेए शाखा के माध्यम से किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी गई। फैडरेशन अध्यक्ष राकेश-नीलू गोधा, कोषाध्यक्ष संजय काला, कार्यकारिणी सदस्य भरत जैन, क्षेत्रीय समन्वयक वंदना मनीष टोंग्या एवं महावीर इंटरनेशनल एसोसिएशन के अध्यक्ष सुभाष गोलेछा व सचिव पी.सी. छाबड़ा ने जनता कॉलोनी स्थित महावीर इंटरनेशनल भवन पर आयोजित समारोह मे अतिथियों का स्वागत माल्यार्पण व साफा पहनाकर किया ।

भाग्य फाउण्डेशन ने मणिपाल हॉस्पिटल का किया सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया

वर्ल्ड स्ट्रोक डे पर मणिपाल हॉस्टिपल द्वारा आयोजित मीट एण्ड ग्रीट कार्यक्रम में भाग्य फाउण्डेशन के फाउण्डर व राजस्थान पब्लिक ट्रस्ट बोर्ड, देव स्थान विभाग, राजस्थान सरकार के सदस्य बसन्त जैन एवं फाउण्डेशन की अध्यक्षा नीरू सिद्धा ने मणिपाल हॉस्टिपल के डॉक्टर्स व मैनेजमेंट को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। यह कार्यक्रम डिग्गी पैलेस होटल में लायन्स क्लब सेंट्रल स्पाईन, मालवीय नगर, डायमण्ड, अग्रसेन शिक्षा समिति व भाग्य फाउण्डेशन के सहयोग से आयोजित किया गया। इस अवसर पर मणिपाल हॉस्टिपल के डॉक्टर्स ने स्ट्रोक के बारे पूरी जानकारी दी, इसके लक्षण व बिमारी से बचने के उपाय विस्तार से बताए। लायन्स क्लब सेंट्रल स्पाईन के फाउण्डर बसन्त जलेवा का भी कार्यक्रम में सहयोग देने पर भाग्य फाउण्डेशन ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

शुभकामना परिवार पुरानी टोंक द्वारा 48 रिद्धि मंत्रों द्वारा भक्तामर पाठ का आयोजन

टोक. शाबाश इंडिया

गणिनी आर्यिका 105 स्वस्ति भूषण माताजी के 53 वे अवतरण 'दिवस' पर मुनीसुव्रत नाथ शुभकामना परिवार पुरानी टोंक द्वारा नेमिनाथ मंदिर पुरानी टोंक में 48 रिद्धि मंत्रों द्वारा भक्तामर के पाठ एवं महा आरती का आयोजन उर्मिला प्रतिभा, अनीता, निशा, बीना,आभा,मंजू, मधु, आशा,मनोरमा, बीना चौधरी, मंजू चौधरी, पायल चौधरी द्वारा किया गया।

आठ दिवसीय मंगलकारी कल्पद्रुम विधानमंडल का ध्वजारोहण के साथ शुभारंभ हुआ

अमन जैन कोटखावदा. शाबाश इंडिया

जयपुर। कल्पद्रुम विधानमंडल के आयोजन के तहत प्रातः घटयात्रा निकाली गई जिसमें सैकड़ो महिलाओं ने भाग लिया। सौधर्मेंद्र शांतिलाल ममता सोगानी जापान वालों ने श्री जी को विराजमान किया। भगवान जिनेंद्र का जलाभिषेक एवं पंचामृत अभिषेक हुआ पश्चात आचार्य श्री शशांक सागर गुरुदेव के श्री मुख से शान्ति मंत्रों का उच्चारण हुआ, सभी जीवो के लिए शान्ति के लिए मंगल कामना की गई। सन्मति सुनील सभागार मे विकास बड़जात्या परिवार ने ध्वजारोहण कर विधान का विधिवत शुभारंभ किया। आचार्य भगवंत को अर्घ्य अर्पण करते हुए सौधर्म इन्द्र बने शांतिलाल जापान वालों ने चित्र अनावरण और दीप प्रज्जवलन कर धर्म सभा का शुभारंभ किया। उक्त जानकारी देते हुए चातुर्मास व्यवस्था समिति के प्रचार मंत्री रमेश गंगवाल ने बताया कि मंगलाचरण सीमा गाजियाबाद ने किया व मंच संचालन इंदिरा बड़जात्या ने किया। चातुर्मास व्यवस्था समिति के मुख्य संयोजक रूपेंद्र छाबड़ा ने बताया आचार्य भगवंत के चरण पखारे शांतिलाल ममता सोगानी परिवार ने पूज्य आचार्य भगवंत को जिनवाणी शास्त्र भेंट किया गया। आचार्य श्री ने कहा कि आचार्य भगवंत श्री जिनसेन स्वामी ने जन्म लेने के पश्चात अंतिम समय तक कभी भी वस्त्र धारण नहीं किए। वे कहते हैं जो भगवान जिनेंद्र की पूजा करते हैं वे स्वयं एक दिन जिनेंद्र बन जाते हैं। पूज्य जनों के गुणों में अनुराग करना भक्ति कहलाता है। पूजा चार प्रकार की है, ईज्या पूजा का दूसरा नाम कहलाता है। सदार्चन पूजा, सर्वतो भद्र पूजा,कल्पद्रुम पूजा, अष्टान्हिका पूजा। सदार्चन का अर्थ है प्रतिदिन की जाने वाली पूजा । सर्वतो भद्र पूजा इसमें भगवान के चतुर्मुख की पूजा की जाती है। कल्पद्रुम पूजा इसमें भगवान के समवशरण की पूजा होती है। अष्टान्हिका पूजा यह इन दिनो में चल रही है। इंद्र ध्वज पूजा- अकृत्रिम जिनालयों में सोधर्मेंद्र ध्वजा चढ़ाकर भगवान की पूजा भक्ति, वंदना, अर्चना करते हैं। यह इंद्र पूजा कहलाती है। संप्रदाय मत बनाइए भगवान के भक्त बन जाइए। चक्रवर्ती जब पूजा करते हैं तब सामग्री के पर्वत खड़े हो जाते हैं सदा उत्तम द्रव्य चढाइए ,जब भगवान की भक्ति करने चले हैं तो उसमें कभी भी कमी नहीं करना चाहिए। सदार्चन पूजा में कहा गया है, घर दे देना,जमीन दे देना,अपना द्रव्य लगा देना, मंदिर जी के विकास में जब द्रव्य लगाना, मंदिर बनवाने में द्रव्य लगाना नित्य प्रति मुनि राजों को आहार देना मुनि राजो का पडगाहन करके नित्य आहार देना, नित्य पूजा में आता है। कल्पद्रुम पूजा जब करते हैं जिसमें चक्रवर्ती चारों दिशाओं में भगवान की पूजा करते हैं।

तीये की बैठक

हमारी प्रिय बहिन

चमेली देवी

धर्मपत्नी श्री रामस्वरूप गोधा का आकस्मिक स्वर्गवास हो गया है। तीये की बैठक 3 नवम्बर, 2022 को प्रातः 9. 30 बजे चिंतामणी पार्श्वनाथ जैन मंदिर, पारास विहार, मुहाना मंड़ी के 3 नम्बर गेट से अंदर प्रथम सर्किल के पश्चिम दिशा में होगी। पीहर पक्ष की बैठक 2 नवम्बर, 2022 को दोपहर 12 से 3 बजे तक कुन्दनमल-कमला देवी गोदिका फॉर्म हाऊस पारस विहार, पर होगी।

शोकाकुल

सुभाष, पवन-सरोज, अनिल-आशा (भाई- भाभी), अभिषेक-क्षिप्रा, प्रतीक-रुचि, अनुज-भूमिका (भतीजे-भतीजे बहु) रूचि-विक्रम, नीतु-अकिंत, निधी-रोहित (भतीजी-भतीजी जवाई), शान्ता, कान्ता- टीकम सेठी, उमेश पाटोदी (बहन-बहनोई)
एवं समस्त गोदिका परिवार

दुर्गापुरा में अष्टान्हिका महापर्व में सिद्धचक्र मण्डल पूजा विधान का आयोजन हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया

परम पूज्य गणिनी आर्यिका श्री 105 भरतेश्वरमति माताजी ससंघ के सानिध्य में श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुर्गापुरा जयपुर में अष्टान्हिका महापर्व में श्री सिद्धचक्र महा मण्डल विधान की पूजा संगीत के साथ विधानाचार्य पं दीपक जी शास्त्री एवं अनुकम्पा दीदी द्वारा मंगलवार दिनांक 01.11.2022 को प्रातः 7.00 बजे से पांडाल में प्रारंभ हुई। श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी ट्रस्ट दुर्गापुरा जयपुर के अध्यक्ष प्रकाश चन्द जैन चांदवाड़ एवं मंत्री राजेन्द्र कुमार जैन काला ने बताया कि मण्डप प्रतिष्ठा, इन्द्र प्रतिष्ठा, सकलीकरण , अभिषेक, शांतिधारा, विधान पूजा हर्षोल्लास के साथ हुई। पूजा के दौरान गणिनी आर्यिका श्री ने आशीर्वचन में बताया कि सिद्धचक्र मण्डल में बीच में ह्रीं लिखा है, उसमें चोवीस तीर्थंकर समाहित है। यह विधान सब विधानों का राजा है। इसमें चोसठ ऋद्धि, पंच परमेष्ठि, सहस्त्रनाम आदि विधानों की पूजा होती है। सिद्धों की आराधना की जाती है। विधान पूजा में मुख्य पात्रों में सोधर्म इन्द्र इंद्राणी हर्ष चन्द मुन्ना देवी जैन सोगानी, महा यज्ञ नायक नेमी कुमार मुन्ना देवी जैन छाबड़ा, कुबेर इन्द्र डॉ मोहन लाल जैन मणि डाक्टर शांति देवी जैन, श्रीपाल मैना सुन्दरी, ललित कुमार अनीता जैन काला चन्दलाई वाले, ईशान इन्द्र राजेन्द्र कुमार जैन शीला जैन काला चन्दलाई वाले, पूजा सामग्री पूण्यार्जक विमल कुमार जैन सुशीला जैन पोद्दार ने सभी इन्द्र इंद्राणियों के साथ भक्ति भाव से प्रथम वलय के आठ अर्घ्य समर्पित कर पूजा की। ट्रस्ट के द्वारा सभी पात्रों का मुकुट माला से स्वागत किया एवं मंत्री ने सभी का आभार व्यक्त किया। स्वागत में ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द जैन चांदवाड़, कार्य अध्यक्ष भाग चन्द जैन बाकलीवाल, उपाध्यक्ष सुनील कुमार जैन संगही, नरेश कुमार जैन बाकलीवाल, कोषाध्यक्ष विमल कुमार जैन गंगवाल, संगठन मंत्री महावीर प्रसाद जैन बाकलीवाल, सांस्कृतिक मंत्री रेखा पाटनी, सतेन्द्र पांड्या, राजेन्द्र कुमार जैन रांवका, जय कुमार जैन, रमेश चंद जैन छाबड़ा आदि उपस्थित थे।

भामाशाह का किया सम्मान

अर्पित जैन. शाबाश इंडिया

भैसलाना। कस्बे के महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल में मंगलवार को भामाशाहों का सम्मान किया गया। विद्यालय को वॉटर कूलर भेंट करने वाले छीत्तरमल मालू परिवार का विद्यालय परिवार द्वारा धन्यवाद स्वरूप साफा पहनाकर एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। वही इस दौरान समाजसेवी और सरपंच प्रतिनिधि अनंत ऐचरा, अहमद शेख,पुखराज सैन, रामपाल रैगर, मेवाराम, प्रभु सैन,नीलू आदि का भी विद्यालय का समय समय पर सहयोग करने पर सम्मान किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की छात्राओं द्वारा भावपूर्ण स्वागत नृत्य प्रस्तुत कर सभी अथितियो का स्वागत किया गया। मालू परिवार द्वारा बच्चों को मिठाई वितरित की गई। विद्यालय प्रधानाचार्य सोमना शर्मा ने कहा विद्यालय में सहयोग करने वालो सभी भामाशाहों का सम्मान करना हमारा कर्तव्य है। इस दौरान पवन चौधरी, इमरान लीलगर, सुरेंद्र कुमार, मुकेश चौधरी, रामधन कुमावत, संजय मुंडोतिया, दिनेश कुमावत सुरेश शर्मा, बीना शर्मा, सुप्यार जाट आदि मौजूद रहे।

हवाई यात्रा के प्रति लोगों के बढ़ते रुझान

@...पेज 4 पर

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com